**प्रेस विज्ञप्ति**

# गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
# पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

## संरक्षित पुष्प उत्पादन तकनीक पर एक–दिवसीय प्रशिक्षण

पन्तनगर। 1 अप्रैल 2025। प्रदेश में संरक्षित पुष्प उत्पादन को बढ़ाने के लिए एक–दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का अयोजन अल्चौना, चाफी, नैनीताल, उत्तराखण्ड मे पुष्पीय फसलों के संरक्षित खेती तकनीकों का लोकप्रियकरण परियोजना पन्तनगर विश्वविद्यालय तथा एकीकृत बागवानी विकास मिशन द्वारा वित पोषित परियोजना का आयोजित किया गया। कार्यक्रम के शुभारम्भ अवसर पर डा. वी. के. राव, परियोजनाधिकारी द्वारा परियोजना के उद्देश्यों के बारे मे अवगत कराया गया। तकनीकी सत्र के दौरान डा. पी.के. सिंह, संयुक्त निदेशक ने पॉलीहाउस में पुष्पों की संरक्षित खेती के महत्व एवं रखरखाव की जानकारी दी। साथ ही पुष्प उत्पादन के लिए पॉलीहाउस में ड्रिप सिंचाई पद्धतिकरण एवं उर्वरीकरण को अति आवश्यक बताते हुए न्यूनतम जल एवं पोषक तत्वों से अधिक उत्पादन प्राप्त किए जाने की जानकारी दी। डा. वी.के. राव ने गुलाब, जरबेरा, लिलियम की संरक्षित खेती करने के मुख्य बिन्दुओं पर चर्चा करते हुए अधिक उत्पादन प्राप्त करने की तकनीकों की जानकारी दी। उन्होंने अपने क्षेत्रों में पुष्पों एवं प्रजातियों का चुनाव करते समय बाजार की मांग को ध्यान रखते हुए चुनाव करने की सलाह दी। डा. अजीत कुमार कपूर ने कृषकों को गुलदाउदी, ग्लेडियोलस, रजनीगंधा के उत्पादन तकनीकों पर जानकारी उपलब्ध कराई, जिससे कृषक अधिक उत्पादन प्राप्त कर अपनी आय में वृद्धि कर सकें। डा. के.पी. सिंह ने पुष्पों में लगने वाले रोगों एवं कीटों का समय से नियंत्रण करने के लिए विस्तृत रूप से जानकारी उपलब्ध कराई। मुख्य रूप से जड़ सड़न एवं उकठा रोगों के नियंत्रण के लिए ऐजाक्सोस्ट्रोबीन. प्रोपोकोनाजोल 0.15 प्रतिशत का घोल बनाकर जड़ों के पास ड्रेन्च करने की सलाह दी। ब्लाइट एवं झुलसा आदि रोगों के नियंत्रण के लिए ट्राइफ्लॉसोस्ट्रोबिन. ट्यूबकोनाजोल का 0.10 प्रतिशत का घोल बनाकर रोग लगने के पश्चात दो छिड़काव 15–20 दिन के अंतराल पर करने की सलाह दी। इसके अतिरिक्त जैविक विधियो से नियंत्रण हेतु ट्राइकोडर्मा वैसिलस एवं स्यूडोमोनास का प्रयोग बीज को शोधित करने तथा गोबर की खाद मे ट्राइकोडर्मा 5 किग्रा. प्रति 5 क्विंटल की दर से मिलाकर प्रयोग करने की सलाह दी जिससे जड़ सड़न एवं बीज जनित रोगों का नियंत्रण किया जा सके।

डा. रजनीश, मुख्य उद्यान अधिकारी, नैनीताल ने उद्यान विभाग, उत्तराखंड सरकार द्वारा उद्यान के विकास हेतु दी जा रही सुविधाओं की जानकारी दी। पुष्प उत्पादकों एवं कृषकों द्वारा पूछे गये प्रश्नों का उत्तर भी वैज्ञानिकों ने दिया। प्रषिक्षण में अल्चौना, चाफी क्षेत्र के 30 पुष्प उत्पादकों एवं कृषकों ने प्रतिभाग किया। प्रशिक्षण के लिए निदेशक, शोध एवं विश्वविद्यालय प्रशासन पंतनगर को धन्यवाद देते हुये इस तरह के प्रशिक्षण भविष्य में आयोजित करने का अनुरोध किया। प्रशिक्षण में विजय पाण्डेय, नवीन चन्द, मोहन चन्द, विद्या देवी आदि उपस्थित थे। सहायक विकास अधिकारी, उद्यान सुश्मिता हयांकी, ए.डी.ओ. हॉर्टीकल्चर, भीमताल, डी.डी. उप्रेती एवं संजय तिवारी ने प्रशिक्षण आयोजन में सहयोग किया।

निदेशक संचार